SHODH SAGAR
Innovative Research Thoughts
ISSN: 2454-308X | Vol. 10 | Issue 2 | Apr-Jun 2024 | Peer Reviewed & Refereed

शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत बी.एड.प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन

साक्षी पाल*,
एम.एड.छात्रा
शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ

डॉ. इंदिरा सिंह
प्रोफेसर
शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय, मेरठ

Published: 03/04/2024
DOI : https://doi.org/10.36676/irt.v10.i2.02
* Corresponding author

सारांश

शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए अति आवश्यक है। हम जीवन में शिक्षा के द्वारा ही कुछ अच्छा प्राप्त कर सकते हैं। देश की उन्नति एवं विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा न केवल माता के समान पालन पोषण करती है बल्कि पिता के समान उच्च मार्गदर्शन करते हुए उच्च मूल्यों व अभिवृत्ति का विकास कर व्यक्ति को श्रेष्ठ कार्यों में लगाती है। शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति की कीर्ति का प्रकाश चारों ओर फैलता है। शिक्षा, व्यक्ति तथा देश की प्रगति में सहायक है। किसी भी देश या समाज को उन्नति के शिखर पर पहुँचाने के लिए वहाँ शिक्षा का दीप जलाना अत्यंत आवश्यक है। मानव जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है। शोधकर्त्री ने प्रस्तुत शोध कार्य में शिक्षण प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत महिला एवं पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति पर तुलनात्मक अध्ययन किया है। आंकड़ों के संकलन हेतु शोधकर्त्री द्वारा मानकीकृत परीक्षण का प्रयोग किया गया है। शोध कार्य के संपादन हेतु कुल 140 शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों का चयन यादृच्छिकी न्यादर्शन की लॉटरी विधि द्वारा किया गया। आंकड़ों के विश्लेषण से सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत पुरुष एवं महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ।

मुख्य शब्द- शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान, बी.एड. प्रशिक्षणार्थी, शोध अभिवृत्ति, तुलनात्मक अध्ययन

1. भूमिका

शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए अति आवश्यक है। हम जीवन में शिक्षा के द्वारा ही कुछ अच्छा प्राप्त कर सकते हैं। देश की उन्नति एवं विकास के लिए शिक्षा आवश्यक है। शिक्षा न केवल माता के समान पालन पोषण करती है बल्कि पिता के समान उच्च मार्गदर्शन करते हुए उच्च मूल्यों व अभिवृत्ति का विकास कर व्यक्ति को श्रेष्ठ कार्यों में लगाती है। शिक्षा के द्वारा ही व्यक्ति की कीर्ति का प्रकाश चारों ओर फैलता है। शिक्षा, व्यक्ति तथा देश की प्रगति में सहायक है। किसी भी देश या समाज को उन्नति के शिखर पर पहुँचानेके लिए वहाँ शिक्षा का दीप जलाना अत्यंत आवश्यक है। मानव जीवन में शिक्षा का विशेष महत्व है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति शिशु के रूप में

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

कुछ पाशविक प्रवृत्तियाँ लेकर इस विश्व में असहाय प्राणी के रूप में जन्म लेता है। शिक्षा जीवन का संपूर्ण शास्त्र है एवं सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति का एक सामाजिक साधन है। वर्तमान में यह माना जाता है कि शिक्षा प्रदान करने में परिवार के बाद दूसरा प्रमुख स्थान विद्यालय का होता है। शिक्षा, विद्यार्थी जीवन एवं विद्यालयी क्रियाकलापों में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती है। सिंह, अजय कुमार (2000) ने प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों की कंप्यूटर शिक्षा के प्रति अभिवृत्ति विषय पर अध्ययन किया। एंथोनी (2002) ने विद्यालय संगठन के नेतृत्व एवं शिक्षको के अपने विद्यालय के प्रति प्रतिबद्धता विषय पर शोध कार्य किया। आलिम (2010) ने शिक्षक उदिवग्नता (तनाव) स्तर और उनकी शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति विषय पर शोध कार्य किया। हुलियास (2011) ने तुर्की भाषा के अध्यापकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति विषय पर शोध कार्य किया। हीरेमठ (2012) ने माध्यमिक विद्यालयो के अध्यापकों की शिक्षण प्रभावशीलता और उनकी शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति विषय पर शोध किया।

2. अध्ययन के उद्देश्य

1. सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।
2. सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

3. शोध परिकल्पनाएँ

1. सरकारी तथा गैर- सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।
2. सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है।

4. अध्ययन का परिसीमन

1. प्रस्तुत अध्ययन मेरठ मंडल के सरकारी एवं गैर-सरकारी (निजी) शिक्षक शिक्षा संस्थानों तक सीमित रहेगा।
2. प्रस्तुत अध्ययन बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति तक सीमित रहेगा।
3. प्रस्तुत शोध कार्य हेतु 140 प्रशिक्षणार्थियों (70 महिला, 70 पुरुष) का चयन न्यादर्श हेतु किया गया है।
4. प्रस्तुत शोध प्रपत्र को एक- चर शोध अभिवृत्ति के अध्ययन तक सीमित रखा गया है।

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

5. <u>जनसंख्या</u>– प्रस्तुत शोध अध्ययन में चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ के सरकारी एवं गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्ययनरत समस्त बी.एड. प्रशिक्षणार्थी जनसंख्या के रूप में सम्मिलित है।

6. <u>शोध अध्ययन का न्यादर्श–</u> प्रस्तुत अध्ययन में शोधकर्त्री ने यादृच्छिकी न्यादर्शन की लॉटरी विधि द्वारा 7 सरकारी तथा 7 गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो से कुल 140 प्रशिक्षणार्थियों का चयन किया। प्रत्येक प्रशिक्षण महाविद्यालय से 10-10 बी.एड. के प्रशिक्षणार्थी न्यादर्श के रूप में लिए गए। शोधकर्त्री द्वारा चयनित न्यादर्श का वितरण सारणी-1 में प्रस्तुत है-

<u>सारणी -1 (अ) न्यादर्श हेतु चयनित सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय</u>

क्रम संख्या	**शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के नाम**	**चयनित शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों की संख्या**		
		पुरुष प्रशिक्षणार्थी	महिला प्रशिक्षणार्थी	कुल
1.	शहीद मंगल पांडे मेरठ	5	5	10
2.	मेरठ कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन	5	5	10
3.	एन.ए.एस.कॉलेज मेरठ	5	5	10
4.	चौधरीचरण सिंह विश्वविद्यालय	5	5	10
5.	बड़ोद कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन	5	5	10
6.	आर.जी. कॉलेज मेरठ	5	5	10
7.	स्माइल कॉलेज, मेरठ	5	5	10
			कुल योग	70

सारणी -1 (ब) न्यादर्श हेतु चयनित गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय

क्रम संख्या	**शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों के नाम**	**चयनित प्रशिक्षणार्थियों की संख्या**		
		पुरुष प्रशिक्षणार्थी	महिला प्रशिक्षणार्थी	कुल
1.	विद्या नॉलेज पार्क ऑफ़ एजुकेशन	**5**	**5**	**10**
2.	दीवान कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन	**5**	**5**	**10**

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

3.	डी.एन. कॉलेज मेरठ	5	5	10
4.	काइटग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट	5	5	10
5.	मेरठ इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी	5	5	10
6.	एस्ट्रोनकॉलेज ऑफ़ एजुकेशन	5	5	10
7.	गांधी इंस्टिट्यूट ऑफ़ प्रोफेशनल एंड टेक्निकल स्टडीज	5	5	10
			कुल योग	70

7. <u>प्रस्तुत अध्ययन में प्रयुक्त शोध विधि-</u> प्रस्तुत शोध कार्य में शोधकर्त्री द्वारा वर्णनात्मक अनुसंधान की सर्वेक्षण विधि का प्रयोग किया गया है।

8. <u>उपकरण-</u> अनुसंधान से संबंधित सूचना प्राप्त करने हेतु जिन साधनों का उपयोग करते हुए आधार सामग्री एकत्रकी जाती है उन्हें शोध उपकरण की संज्ञा दी जाती है।प्रस्तुत शोध में प्रयुक्त उपकरण इस प्रकार है-

1. शिक्षा संस्थानों में बी.एड.प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति जानने हेतु डॉ. आशा मोहन द्वारा निर्मित"अभिवृत्ति मापन स्केल"(attitude scale towards research) स्केल नमक परीक्षण का प्रयोग किया गया।

उक्त अभिवृत्ति मापनी में प्रत्येक पद के फलांकन हेतु 'लिकर्ट तकनीक' का प्रयोग किया गया। मापनी के कथन सकारात्मक व नकारात्मक दो श्रेणियो में विभाजित थे तथा इसके फलांकन हेतु पांच बिंदु निर्धारण मापनी प्रयोग में लाई गई। सकारात्मक कथनों में पूर्णत: सहमत के लिए 5, सहमत के लिए 4, अनिश्चित के लिए 3, असहमत के लिए 2, तथा पूर्णत: सहमत के लिए 1 अंक प्रदान किया गया तथा नकारात्मक कथनों में पूर्णत: सहमत के लिए 1, सहमत के लिए 2, अनिश्चित के लिए 3, असहमत के लिए 4 तथा पूर्णत: सहमत के लिए 5 अंक प्रदान किए गए। अभिवृत्ति मापन हेतु प्रतिक्रियाओं को सारणी 3 में प्रस्तुत किया गया है।

<u>सारणी-3 :शोध अभिवृत्ति मापन हेतु प्रतिक्रियाओं का विवरण</u>

मद की प्रकृति	पूर्णतःसहमत	सहमत	अनिश्चित	असहमत	पूर्णतः असहमत
सकारात्मक	5	4	3	2	1
नकारात्मक	1	2	3	4	5

9. <u>प्रयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियाँ–</u>

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

ISSN: 2454-308X | Vol. 10 | Issue 2 | Apr-Jun 2024 | Peer Reviewed & Refereed

1. शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति संबंधी प्रदतों का विश्लेषण अभिवृत्ति मापनी के आधार पर डॉ. विशाल सूद द्वारा निर्धारित मानकों की सहायता से किया गया।

2. शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत बी.एड. प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति के तुलनात्मक अध्ययन में मध्यमान, मानक विचलन एवं टी टेस्ट का प्रयोग किया गया।

1.मध्यमान (MEAN)

2. **मानक विचलन (S.D)**

$$\text{Mean } (x) = \frac{\Sigma x}{n}$$

3.टी परीक्षण का सूत्र (T-TEST)

$$\sigma = \sqrt{\frac{\sum (x_i - \mu)^2}{N}}$$

$$t = \frac{\bar{x} - \mu}{\frac{\sigma}{\sqrt{n}}}$$

3. सार्थकता स्तर - प्रस्तुत अध्ययन में परिकल्पनाओं का परीक्षण 0.05 एवं 0.01 स्तरों पर किया गया।

10. <u>प्रदत्तो का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या</u>

सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति की तुलना का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना -1 सरकारी तथा गैर-सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है। प्रस्तुत अध्ययन का पहला उद्देश्य सरकारी तथा गैर- सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मध्यमान, मानक-विचलन एवं टी प्राप्तांक का प्रयोग किया गया। टी मान के द्वारा मध्यमानो के मध्य प्राप्त अंतर की सार्थकता की जांच की गई जिसे सारणी में दर्शाया गया है।

<u>सारणी-4</u>

<u>सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन</u>

क्रम संख्या	प्रशिक्षणार्थी	न्यादर्श	माध्यमान	मानक-विचलन	टी प्राप्तांक	सार्थकता स्तर

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

1.	सरकारी महिला प्रशिक्षणार्थी	35	161.42	18.59	13.30	0.01 स्तर पर सार्थक अंतर
2.	गैर-सरकारी महिला प्रशिक्षणार्थी	35	134.8	14.37		

अपेक्षित टी मान = 0.05 स्तर पर 1.96

0.01 स्तर पर 2.58

सारणी के अनुशीलन से यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध हेतु अभिवृत्ति मापनी में मध्यमान क्रमशः 161.142 तथा 134.8 प्राप्त हुआ। इसी क्रम में मानक विचलन 18.59, 14.37 प्राप्त हुआ। मध्यमान के आधार पर सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में प्राप्त अंतर की सार्थकता हेतु `टी` मान 13.30 प्राप्त हुआ। यह टी मान अपेक्षित सारणीकृत मान से अधिक है। अतः सरकारी तथा गैर सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ। इस आधार पर शोध परिकल्पना स्वीकृत नहीं हुई।

सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति की तुलना का सांख्यिकीय विश्लेषण एवं व्याख्या

परिकल्पना-2 सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर नहीं है। प्रस्तुत अध्ययन का दूसरा उद्देश्य सरकारी तथा गैर- सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयो में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन करना प्रस्तावित था। निर्धारित उद्देश्यों की पूर्ति हेतु मध्यमान, मानक-विचलन एवं टी प्राप्तांक का प्रयोग किया गया। टी मानके द्वारा मध्यमानो के मध्य प्राप्त अंतर की सार्थकता की जांच की गई, जिसे सारणी में दर्शाया गया है।

सारणी-5

सरकारी तथा गैर सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन।

क्रम संख्या	प्रशिक्षणार्थी	न्यादर्श	माध्यमान	मानक-विचलन	टी प्राप्तांक	सार्थकता स्तर
1.	सरकारी महिला प्रशिक्षणार्थी	35	128.74	23.6	5.68	0.01 स्तर पर सार्थक अंतर
2.	गैर-सरकारी महिला प्रशिक्षणार्थी	35	142.68	17.01		

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

अपेक्षित टी मान = 0.05 स्तर पर 1.96

0.01स्तर पर 2.58

सारणी के अनुशीलन से यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर-सरकारी प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध हेतु अभिवृत्ति मापनी में मध्यमान क्रमशः 128.74 तथा 142.68 प्राप्त हुआ। इसी क्रम में मानक विचलन 23.6, 17.01 प्राप्त हुआ। मध्यमान के आधार पर सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में प्राप्त अंतर की सार्थकता हेतु टी मान 5.68 प्राप्त हुआ । यह टी मान अपेक्षित सारणीकृत मान से अधिक है। अतः सरकारी तथा गैर सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर प्राप्त हुआ। इस आधार पर शोध परिकल्पना-2 स्वीकृत नहीं हुई।

निष्कर्ष-

1. सरकारी तथा गैर - सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है। इस आधार पर यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर-सरकारी पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति एक समान नहीं है।
2. आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान (18.59) गैर सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान (14.37) से ज्यादा प्राप्त हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति, गैर सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षाकृत उच्च प्राप्त हुई।
3. सरकारी तथा गैर - सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में सार्थक अंतर है। इस आधार पर यह स्पष्ट है कि सरकारी तथा गैर - सरकारी महिला प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति एक समान नहीं है।
4. आंकड़ों के विश्लेषण से यह ज्ञात हुआ कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों का मध्यमान (23.6) गैर सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत महिला प्रशिक्षणार्थियों के मध्यमान (17.01) से ज्यादा प्राप्त हुआ। इससे यह स्पष्ट होता है कि सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत पुरुष प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति, गैर सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालयों में अध्यनरत प्रशिक्षणार्थियों की अपेक्षाकृत उच्च प्राप्त हुई।

11. <u>प्रस्तुत अध्ययन का महत्व</u>

प्रस्तुत अध्ययन तथा उससे प्राप्त परिणामों प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों, शिक्षकों, संस्थाओं एवं शैक्षिक क्षेत्र से जुड़े व्यक्तियों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो सकता है।शैक्षिक

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com

ISSN: 2454-308X | Vol. 10 | Issue 2 | Apr-Jun 2024 | Peer Reviewed & Refereed

क्षेत्र में इसकी उपादेयता एवं महत्व को किसी रूप में नकारा नहीं जा सकता है क्योंकि शिक्षा के क्षेत्र में वर्तमान में शोध एक नवाचार प्रवृत्ति है जिसमें नित- नवीन परिवर्तन होते रहते हैं।

प्रस्तुत शोध के माध्यम से शोधकर्त्री ने यह जानने का प्रयास किया कि सरकारी तथा गैर- सरकारी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में अध्यनरत प्रशिक्षणार्थियों की शोध अभिवृत्ति में अंतर होता है या नहीं। उक्त शोध के परिणाम आगामी शोधकर्ताओं के लिए मिल का पत्थर साबित हो सकते हैं ताकि वर्तमान शोध में रही कमियों को आगामी शोधकर्ताओं द्वारा पूर्ण किया जा सके।

संदर्भ ग्रंथ सूची

अग्रवाल,जे. सी.(1991),"भारतीय शिक्षा पद्धति संरचना और समस्याएं",आर्य बुक डिपो, (दिल्ली)।

गुप्ता,एस.पी.(2002),"भारतीय शिक्षा का इतिहास विकास एवं समस्याएं",शारदा पुस्तक भवन,(इलाहाबाद) ।

चौबे,सरयू प्रसाद,(2008),"तुलनात्मक शिक्षा",अग्रवाल पब्लिकेशन,(आगरा) ।

चतुर्वेदी,आर.(2013),"समाजशास्त्र के मूल तत्व",लाल बुक डिपो (मेरठ)।

जोहरी,एवं पाठक,(2009), "भारतीय शिक्षा का इतिहास",विनोद पुस्तक, मंदिर।

कुमार,वीरेंद्र (2019) "बौद्धकालीन शिक्षा की वर्तमान शिक्षा के परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिकता" retrived from https://in.docs.wps.com/l/sIKau0-mgAenT2rAG?v=v2 accessed on 05-01-2024

गंगवार,सुमित (अक्टूबर,2020) "विद्यार्थियों की सामाजिक विषय के प्रति अभिवृत्ति तथा अभिभावकीय आकांक्षा की भूमिका" retrived from https://www.researchgate.net /publication/356681144_vidyarthiyom__ki_samajika_vijnana_visaya_ke_prati_ abhivrtti_tatha_abhibhavakiya_akanksa__ki_bhumika accessed on 29-01-2024

सोनेकर, लक्ष्मी (2014) "जनजाति छात्र- छात्राओं के व्यावसायिक अभिवृत्ति का एक विश्लेषणात्मक अध्ययन" retrived from accessed on 23-01-2024

यादव, देवेन्द्र कुमार (अप्रैल,2018)"माध्यमिक स्तर के सरकारी एवं गैरसरकारी सहायता प्राप्त विद्यालयों के शिक्षकों की शिक्षण व्यवसाय के प्रति अभिवृत्ति का तुलनात्मक अध्ययन" retrived from https://in.docworkspace.com/ d/sIE-u0-mgAdmz-rAGaccessed on 27-02-2024

© 2024 Published by Shodh Sagar. This is an open access article distributed under the terms of the Creative Commons License [CC BY NC 4.0] and is available on https://urr.shodhsagar.com